बी.ए. प्रथम वर्ष (सैद्धान्तिक)
प्रथम प्रश्न–पत्र
(कथक नृत्य)

इकाई–1

नृत्यकला का इतिहास–उत्पत्ति और विकास।

इकाई–2

भारतीय शास्त्रीय नृत्यों के प्रकार–उत्पत्ति, विकास, प्रस्तुतिक्रम, वेशभूषा/रंगमंच व्यवस्था संगतवाद्य प्रसिद्ध कलाकार।

इकाई–3

भारतीय संगीत में घराना पद्धति, गुरु–शिष्य परम्परा का महत्व।

इकाई–4

कथक नृत्य में व्यायाम, पढ़न्त और रियाज का महत्व, संगत की उपयोगिता, कथक नृत्य में प्रयुक्त वाद्यों का इतिहास, घराने व प्रसिद्ध कलाकारों का परिचय।

इकाई–5

कथक नृत्य के विभिन्न तत्व मात्रा, विभाग, ताली–खाली, सम, आवर्तन, ठेका, हस्तक, तत्कार, आमद, तोड़ा, टुकड़ा, चक्करदार, परण, प्रिमलू, तिहाई, फरमाईशी, चक्करदार, नवहक्का, रंगमंच का टुकड़ा, नटवरी टुकड़ा, सलामी, गतविकास, गतभाव एवं कवित्त।

द्वितीय प्रश्न–पत्र (सैद्धान्तिक)
(कथक नृत्य)

इकाई–1

प्राचीन संगीत ग्रन्थों में 'लय' की अवधारणा लय के विभिन्न प्रकार विलम्बित लय, मध्य लय एवं द्रुत लय, विभिन्न लयकारियाँ– पौनगुन, ठाह, सवागुन, दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़, कुआड़, बिआड़।

इकाई–2

ताल–भूमिका, दशप्राण, उत्तर भारतीय व दक्षिण भारतीय ताल पद्धतियों का ज्ञान व तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–3

विष्णु दिगम्बर पलुस्कर और विष्णु नारायण भातखण्डे का जीवन परिचय, उत्तर भारतीय ताल पद्धति के अन्तर्गत भातखण्डे व पलुस्कर ताल पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन और उनमें बंदिशें लिपिबद्ध करना।

इकाई–4

कथक नृत्य में लय–ताल का विकास और महत्व, दर्जा, क्रमलय, दुपल्ली, त्रिपल्ली और चौपल्ली का परिचय।

इकाई–5

शुद्ध कथक नृत्य के अन्तर्गत तीन ताल की विभिन्न लयों में बन्दिशें लिपिबद्ध करना, ताल दादरा एवं कहरवा का परिचय और उनमें बोल–बन्दिशें लिपिबद्ध करना।

प्रायोगिक – कथक नृत्य

1. ताल त्रिताल में शुद्ध कथक नृत्य का प्रदर्शन। दादरा व कहरवा तालों का प्रदर्शन बन्दिशें व उनकी पढ़न्त।
2. चक्कर के विभिन्न प्रकार। लयबाँट व क्रमलय प्रदर्शन एवं पढ़न्त ठेके और लहरे पर प्रदर्शन।
3. दर्जा, दुपल्ली, तिपल्ली, चौपल्ली का प्रदर्शन।
4. तीनताल के लहरे का विभिन्न रागों में अभ्यास।
5. श्लोकार्थ सहित गुरू वन्दना का प्रस्तुतिकरण।